Naidunia (Indore), 16th March 2025, Naidunia City, Page- I

आइआइटी इंदौर करेगा हेल्थकेयर टेक्नोलाजी के क्षेत्र में इनोवेशन

बड़ी उपलब्धि ●टेक्नोलाजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क किया जाएगा तैयार

चरक डिजिटल हेल्थकेयर पर टेक्नोलाजी इनोवेशन से इलाज की तैयारी। ● सौजन्य

भरत मानघन्या ● नईदुनिया

इंदौर: भारत में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए आइआइटी इंदौर में एआई आधारित डायग्नोस्टिक्स और टेलीमेडिसिन समाधान तैयार किए जाएंगे, साथ ही इसी क्षेत्र में डीप टेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने का कार्य होगा। देश के 25 इनोवेशन टेक्नोलाजी हब में आइआइटी इंदौर का चयन किया है। यहां टेक्नोलाजी इनोवेशन हब यानी आइआइटीआइ दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन को टेक्नोलाजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क के रूप में स्थापित किया जाएगा, जहां रिसर्च और इनोवेशन पर कार्य किया जाएगा। आइआइटी इंदौर देश का एकमात्र सेकंड जनरेशन आइआइटी है, जहां टेक्नोलाजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क स्थापति होने जा रहा है।

भारत के डीप टेक इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने देश के 4 इनोवेशन टेक्नोलाजी हब का चयन 14 मार्च को किया है, जिसे टेक्नोलाजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क के रूप में स्थापित करेंगे। आइआइटी इंदौर स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करेगा। वहीं आइआइटी कानपुर साइबर सुरक्षा, आइआइएससी बेंगलुरु रोबोटिक्स व आटोनोमस नेविगेशन व आइएसएम धनबाद खनन के क्षेत्र में काम करेगा।

टेक्नोलाजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क में होंगे ये कार्य

- चिकित्सा उपकरणों का विकास और नियामक अनुमोदन
- एआइ आधारित डायग्नोस्टिक्स और टेलीमेडिसिन समाधान
- स्मार्ट पहनने योग्य स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली
- स्वास्थ्य डेटा एनालिटिक्स और नवाचार
- अस्पतालों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और बायोटेक स्टार्टअप्स के साथ की जाएगी साझेदारी

नवाचारों को मिलेगी गति : आइआइटी के अधिकारियों के अनुसार इस पहल के चलते आइआइटी इंदौर भारत को स्वास्थ्य नवाचार में एक वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा, इससे स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता को सुधारने में मदद मिलेगी। इस पहल के कारण एडवांस इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय सहायता और तकनीकी व्यावसायीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा, इससे चिकित्सा उपकरण स्टार्टअप, बायोइंजीनियरिंग अनुसंधान और एआई आधारित हेल्थकेयर नवाचारों को गति मिलेगी। इसके साथ स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं और उद्योगों को भी अवसर मिलेंगे।

विद्यार्थियों को होंगे ये फायदे : टेक्नोलाजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क के माध्यम से स्टूडेंट स्टार्टअप पर भी जोर दिया जाएगा। एकेडमिक एक्सलेरेशन के जरिए विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। वहीं डिग्री लेने से पूर्व विद्यार्थियों को प्री इनक्यूबेशन एक्टिविटी करवाई जाएगी। जहां उन्हें तकनीक और स्टार्टअप रजिस्टर करने की औपचारिकताओं के बारे में बताया जाएगा। इसके बाद पोस्ट इनक्यूबेयान एक्टिविटी करेंगे।

> ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क डीप-टेक स्टार्टअप्स और उद्योग-अकादमिक सहयोग को गति देने में मदद करेगा। खासतौर पर हेल्थकेयर इनोवेशन के क्षेत्र में। यह परिवर्तन इंदौर को अत्याधुनिक चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक होगा, इससे ट्रांसलेशनल रिसर्च के लिए उन्नत अवसंरचना और समर्थन उपलब्ध कराया जाएगा।
>
> -आदित्य व्यास, सीईओ, दृष्टि सीपीएस, आइआइटी इंदौर

सेंटर आफ एक्सिलेंस ने दी मदद : अब तक आइआइटी इंदौर में डिजिटल हेल्थकेयर पर सेंटर आफ एक्सिलेंस चरक डिजिटल हेल्थकेयर के जरिए काम किया जा रहा था। इसके माध्यम से स्वास्थ्य से जुड़ी तकनीकों का विकास किया गया।